पंच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन: बलरामपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में

(दिनांक 06 नवंबर से 10 नवंबर 2024)

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, के द्वारा आयोजित एवं NMICPS, DST भारत सरकार के द्वारा वित्त पोषित

आमंत्रण

उद्घाटन सत्र दिनांक 06 नवंबर 2024

समय 11:00 बजे पूर्वाह्न

कार्यक्रम स्थल : सरगवा द पैलेस रिसोर्ट, अंबिकापुर

अध्यक्षता

प्रोफेसर राजीव प्रकाश

निदेशक, IIT भिलाई

मुख्य अतिथि

श्री चिंतामणि महाराज, माननीय सांसद, सरगुजा

विशिष्ट अतिथि

श्रीमती रेना जमील (IAS)

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, बलरामपुर

डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी
कुलसचिव
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय,
सरगुजा,अंबिकापुर

डॉ. पुनीत कुमार राय
प्रभारी प्राचार्य
अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय,
शंकरगढ़, बलरामपुर

श्री एन. के. देवांगन
प्रभारी प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर

श्री मनीष यादव
प्रभारी प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, राजपुर, बलरामपुर

कार्यक्रम संयोजक

डॉ. नितेश कुमार मिश्र
वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर, छत्तीसगढ़

विभागाध्यक्ष

प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय कार्यशाला
06 नवंबर 2024
10 नवंबर 2024
भारतीय इतिहास, संस्कृति
पुरातत्त्व अध्ययनशाला
शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर, छत्तीसगढ़
द्वारा आयोजित
भारत सरकार
के द्वारा प्रायोजित

राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय कार्यशाला
06 नवंबर 2024
0 नवंबर 2024
The Palace Resort

राष्ट्रीय कार्यशाला
पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन :
बलरामपुर जिले के विशेष संदर्भ में
दिनांक 06 नवंबर 2024
से
10 नवंबर 2024
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति
एवं पुरातत्व अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर, छत्तीसगढ़
द्वारा आयोजित
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
भारत

पर्यटन से आर्थिक उन्नयन पर राष्ट्रीय कार्यशाला

तीन दिवसीय आयोजन में विशेषज्ञों का व्याख्यान

नवभारत ब्यूरो। अम्बिकापुर।

सरगुजा जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति व पुरातत्व विभाग के द्वारा पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन बलरामपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में विषय पर छह से दस नवम्बर को पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यशाला में पर्यटन से परिचय, पर्यटन के मूल घटक, विरासत पर्यटन, पर्यटन व्यवसाय, साहसिक पर्यटन, आदिवासी पर्यटन आदि विषयों पर पांच दिनों तक व्याख्यान हो रहे हैं। पर्यटन से परिचय विषय पर डॉ. श्यामनारायण सिंह, पर्यटन के मूल घटक पर डॉ. प्रशांत कुमार सिंह पर्यटन व्यवसाय विषय पर डॉ. दीपक त्रिपाठी, विरासत पर्यटन पर डॉ. पुनीत राय, साहसिक पर्यटन पर डॉ. मुकेश सिंह अहीरवार, आदिवासी पर्यटन विषय पर डॉ. दिनेश कुमार परस्ते का व अम्बिकापुर के जयेश वर्मा द्वारा सरगुजा क्षेत्र में पर्यटन का वर्तमान परिदृश्य विषय पर व्याख्यान दिया गया और उत्तराखण्ड से आये डॉ. अनिल कुमार टामता द्वारा आतिथ्य व्यवसाय विषय पर हिमांशु शेखर द्वारा टूर गाइडिंग और एस्कोर्टिंग पर डॉ. प्रशांत कुमार सिंह द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान दिया गया, इस कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से विषय विशेषज्ञ आए हैं उनके साथ साथ बलरामपुर, शंकरगढ़ और राजपुर महाविद्यालय के 45 छात्र छात्राएँ भाग ले रहे हैं सभी को बलरामपुर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. राजीव प्रकाश डायरेक्टर आईआईटी भिलाई के द्वारा की गई।

पर्यटन से आर्थिक उन्नयन : पहली बार विशेषज्ञों का मिला साथ

नईदुनिया प्रतिनिधि, अंबिकापुर : उत्तर छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल आने वाले वर्षों में आर्थिक सुदृढ़ीकरण में मददगार साबित होंगे। इसके लिए पहली बार अंबिकापुर में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान में बलरामपुर जिले को केंद्र में रखकर कालेजों के विद्यार्थियों को जरूरी मार्गदर्शन दिए जा रहे हैं ताकि वे इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। देश के अलग-अलग क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञ पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर के अलावा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन स्थलों को प्रसिद्धि दिलाने जानकारी दे रहे हैं।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के द्वारा "पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन : बलरामपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में विषय पर पांच दिवसीय "राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन अंबिकापुर में किया जा रहा है। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए आयोजन के उद्देश्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र को प्रकृति ने खूब सजाया व संवारा है। इस खूबसूरती को हम देश - दुनिया तक ले जाने में सफल हुए तो हमारा यह आयोजन भी अपने उद्देश्यों को पूरा कर सकेगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आइआइटी भिलाई के निदेशक प्रो राजीव प्रकाश ने किया। उन्होंने भी छत्तीसगढ़ के पर्यटन को लेकर अपनी बातें रखी। जिला पंचायत सीईओ बलरामपुर रेना जमील (आइएएस), डा पुनीत कुमार राय प्राचार्य शंकरगढ़ महाविद्यालय, एनके सिंह प्रभारी प्राचार्य बलरामपुर शासकीय महाविद्यालय एवं मनीष यादव प्रभारी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय राजपुर ने भी विचार व्यक्त किए।पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डा नितेश कुमार मिश्र ने बताया कि कार्यशाला में डा प्रशांत सिंह अमरकंटक विश्वविद्यालय, डा अनिल टमटा उत्तराखंड, अंबिकापुर के जयेश वर्मा, डा मुकेश सिंह अहिरवार, डा एस्की ओट आदि पर्यटन से रोजगार को लेकर अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। कार्यशाला में पर्यटन से परिचय, पर्यटन के मूल घटक, विरासत पर्यटन, पर्यटन व्यवसाय, साहसिक पर्यटन, आदिवासी पर्यटन आदि विषयों व्याख्यान दिया जा रहा है।पर्यटन से परिचय पर डा श्यामनारायण सिंह, पर्यटन के मूल घटक पर डा प्रशांत कुमार सिंह , पर्यटन व्यवसाय पर डा दीपक त्रिपाठी, विरासत पर्यटन पर डा पुनीत राय, साहसिक पर्यटन पर डा मुकेश सिंह अहीरवार, आदिवासी पर्यटन विषय पर डा दिनेश कुमार परस्ते व अंबिकापुर के जयेश वर्मा द्वारा सरगुजा क्षेत्र में पर्यटन का वर्तमान परिदृश्य पर व्याख्यान दिया । उत्तराखण्ड के डा अनिल कुमार टमटा द्वारा आतिथ्य व्यवसाय विषय पर हिमांशु शेखर द्वारा टूर गाइडिंग और एस्कोर्टिंग पर डॉ प्रशांत कुमार सिंह द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से विषय विशेषज्ञ आए हैं उनके साथ साथ बलरामपुर, शंकरगढ़ और राजपुर महाविद्यालय के 45 छात्र - छात्रा भाग ले रहे हैं। सभी को बलरामपुर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया गया।यह कार्यशाला विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित व आइआइटी भिलाई से सहयोग प्राप्त है।

कार्यशाला में सांसद चिंतामणि महाराज का स्वागत • नईदुनिया

कार्यशाला में अतिथियों के साथ प्रतिभागी • नईदुनिया

पर्यटन के मूल घटक, व्यवसाय व अन्य विषयों पर हो रहे व्याख्यान

अंबिकापुर @ पत्रिका. पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा 'पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन-बलरामपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में' विषय पर 6 से 10 नवम्बर तक पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन सरगवां पैलेस रिसॉर्ट्स में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में 6 नवम्बर को मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बलरामपुर जिला पंचायत सीईओ रेना जमील, डॉ. पुनीत कुमार राय प्राचार्य शंकरगढ़ महाविद्यालय, एनके सिंह प्रभारी प्राचार्य बलरामपुर शासकीय महाविद्यालय एवं मनीष यादव प्रभारी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय राजपुर रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. राजीव प्रकाश डायरेक्टर आईआईटी भिलाई द्वारा की गई। इस कार्यक्रम के संयोजक पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. नितेश कुमार मिश्र हैं। इस कार्यशाला में कई प्रदेशों से विषय विशेषज्ञ आए हैं। इनमें डॉ. प्रशांत सिंह अमरकंटक विश्वविद्यालय, डॉ. अनिल टमटा, अम्बिकापुर के जयेश वर्मा, डॉ. मुकेश सिंह अहिरवार व डॉ. एसबी ओट सम्मिलित हैं। इस कार्यशाला में पर्यटन से परिचय, पर्यटन के मूल घटक, विरासत पर्यटन, पर्यटन व्यवसाय, साहसिक पर्यटन, आदिवासी पर्यटन आदि विषयों पर व्याख्यान हो रहे हैं। कार्यशाला में बलरामपुर, शंकरगढ़ और राजपुर महाविद्यालय के 45 छात्र-छात्राएं भी भाग ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर
अंबिकापुर 10-11-2024

कार्यक्रम • सरगवां में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, वक्ताओं ने कहा-

पर्यटन से आर्थिक और सामाजिक विकास होता है, इसे बढ़ाना जरूरी

भास्कर न्यूज | अंबिकापुर

सरगुजा संभाग प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक स्थलों की प्रचुरता के कारण लगातार विकसित हो रहा है, जो इको-टूरिज्म के लिए एक आदर्श स्थल है।

पर्यटन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो न केवल व्यक्तिगत अनुभवों को समृद्ध करता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक विकास में भी योगदान देता है। पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन विषय पर यहां चल रही राष्ट्रीय कार्यशाला में वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यटन विकास पर जोर दिया। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति व पुरातत्व विभाग द्वारा पर्यटन के माध्यम से आर्थिक उन्नयन बलरामपुर जिले के विशेष संदर्भ में विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन सरगवां पैलेस रिसॉर्ट्स में किया जा रहा है।

10 नवंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, बलरामपुर जिला पंचायत सीईओ रेना जमील, प्राचार्य पुनीत कुमार राय, एनके सिंह, मनीष यादव, प्रो. राजीव प्रकाश, नितेश कुमार मिश्र, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. अनिल टमटा के अलावा अंबिकापुर के जयेश वर्मा, डॉ. मुकेश सिंह अहिरवार, डॉ. एसबी ओट शामिल हुए।

कार्यशाला में शामिल वक्ता और छात्र छात्राएं

कार्यशाला के दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि, वक्ता, आयोजक और छात्र-छात्राएं।

पर्यटन उद्योग और रोजगार के अवसर की जानकारी दी गई

उत्तराखण्ड से पहुंचे डॉ. अनिल कुमार तामता ने आतिथ्य व्यवसाय विषय पर हिमांशु शेखर ने टूर गाइडिंग और एस्कोर्टिंग पर डॉ. प्रशांत कुमार सिंह द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से विषय-विशेषज्ञ आए हैं। वहीं बलरामपुर, शंकरगढ़ और राजपुर महाविद्यालय के 45 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। सभी को बलरामपुर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया गया।

वक्ताओं ने इन विषयों पर अपने-अपने विचार रखे

पर्यटन से परिचय विषय पर डॉ. श्यामनारायण सिंह, पर्यटन के मूल घटक पर डॉ. प्रशांत कुमार सिंह पर्यटन व्यवसाय विषय पर डॉ. दीपक त्रिपाठी, विरासत पर्यटन पर डॉ. पुनीत राय, साहसिक पर्यटन पर डॉ. मुकेश सिंह अहिरवार, आदिवासी पर्यटन विषय पर डॉ. दिनेश कुमार परस्ते अंबिकापुर के जयेश वर्मा ने सरगुजा क्षेत्र में पर्यटन का वर्तमान परिदृश्य विषय पर व्याख्यान दिया।